27071
2

कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या 2259403

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा 2025

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय हिन्दी

परीक्षा का दिन सोमवार

दिनांक 24/03/2025

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ: 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	16	19	
2	6	20	
3	6	21	
4	6	22	
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	3	28	
11	3	29	
12	3	30	
13	3	31	
14	3	योग	80
15	6	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	6	अंकों में	शब्दों में
17	4	80	अस्सी
18	5		

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक 27071

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 60 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 180/2025

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:–
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	1.	
1		(i) (अ) खोजी पत्रकारिता
1		(ii) (स) मुद्रित या प्रिंट माध्यम
1		(iii) (ब) लिपि
1		(iv) (अ) बोली
1		(v) (द) निशा - निमंत्रण
1		(vi) (ब) तुलसीदास
1		(vii) (अ) कागज का पन्ना
1		(viii) (स) लछमिन (लक्ष्मी)
1		(ix) (ब) चूरन
1		(x) (अ) काले मेघा पानी दे
1		(xi) (अ) भीमराव आंबेडकर
1		(xii) (अ) ज्यों का त्यों स्वीकार कर लेने का भाव
1		(xiii) (स) यशोधर पंत

BSER-130/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1		(xiv) (अ) वसंत पाटिल
1		(xv) (अ) मुअनजो - दड़ो और हड़प्पा
(16) 1		(xvi) (द) आनन्द यादव
	2.	(i) अभिधा शब्द शक्ति
1		(ii) लक्षणा शब्द - शक्ति
1		(iii) श्लेष अंलकार
1		(iv) वक्रोक्ति अंलकार
1		(v) वार्षिक
(6) 1		(vi) Camp
	3.	(i) 'चरित्र बल' व 'चरित्र का महत्व'
1		(ii) चरित्र - बल मनुष्य का सर्वोत्तम गुण है।
1		(iii) मनुष्य अपने चरित्र की शक्ति से अनेकानेक आपत्तियों, विपत्तियों

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

और कठिनाइयों का सामना कर सकता है।

(iv) सम्मानपूर्वक और सफल जीवन व्यतीत करने के लिए उत्तम चरित्र का होना नितांत आवश्यक है।

(v) जीवन को सुख - शांति तथा आनंद से भरपूर बनाने के लिए मनुष्य को निरंतर सच्चरित्र बनने का प्रयास करना चाहिए।

(vi) सच्चरिता के अभाव में केवल बौद्धिक ज्ञान सुगंधित शव के समान है।

6

5.
(i) शीर्षक - 'मन की एकाग्रता' या मन का एकनिष्ठ प्रेम या 'मन की तृष्णा'।

(ii) जहाज का पंछी उड़कर वापस जहाज पर ही आता है।

(iii) गंगा के जल को छोड़कर कुँआ खुदवाने वाले व्यक्ति को कवि ने दुर्भाग्य व्यक्ति को कहा है।

(iv) करीर के फल मधुकर को अच्छे नहीं लगते है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(v)	मेरा मन कहाँ से सुख पायेगा क्योंकि यह तो यहाँ - वहाँ घूमता - फिरता है
6	(vi)	पियांसो - प्यासा

खण्ड - ब

5. समाचार - लिखते समय निम्न ककारों को ध्यान में रखा जाता है -

क्यों, क्या, कब, कैसे, कहाँ, किसे कौन

यह छः ककार के होते है जिनका प्रयोग समाचार लिखने में किया जाता है।

6. 'अच्छा तो यह ठहरा ड्रेसिंग गाउन कहते हुए उनकी आँखों में नमी चमक गई' इसका अर्थ है - कि क्योंकि वे कभी दूध लेने जाते या पूजा पाठ करते तो ड्रेसिंग गाउन पहनकर जाया करते थे उनके बडे बेटे भूषण ने यशोधर बाबू को सिल्वर वैडिंग के दिन ड्रेसिंग गाउन उपहार स्वरूप दिया जिससे उनकी आँखें

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

नम हो गई, जिससे उन्हें लगा उनका बेटा खुद दुध न लाकर मेरे लिए ऊनी गाउन लाया है।

2

7. 'जूझ' कहानी के लेखक आनंदा को स्कूल बहुत प्रिय था उसके पिता अपने स्वार्थ के लिए आनंदा को स्कूल नही भेजा करते थे। आनंदा जब पहले दिन स्कूल गया तो उसे लगा कि जो स्कूल पहले अपनी लगती थी व अब एकदम पराई से लगने लग गई। आनंदा की कक्षा मैं एक शैतान लड़का भी था जिसने उसका गमछा खोल दिया था, आनंदा उससे बचने के लिए कक्षा के कोने मे जाकर बैठ गया और उसे ऐसा लगा जैसे मिट्टी के बने कौए पर अन्य कौए आकर चोंच मारते है वैसा उसके साथ वहाँ होने लगा और उसकी कक्षा में दो ही लड़के थे जिनको वह जानता है वे भी कम होशियार थे।

2

8. 'रघुवीर सहाय' ने अपाहिज व्यक्ति पर हो रहे दुर्व्यवहार को उभारने का प्रयास किया है क्योंकि मीडिया लोग

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

अपने समाचार को लोकप्रिय बनाने के लिए अपाहिज व्यक्ति से अनेक सवाल करते है जिससे कि वह अपना दुख बताने के साथ रो पडे और उसे देखकर दर्शक भी रो पडे, लेकिन ऐसा नही हुआ मीडिया वालों ने दर्शकों से माँफी माँगी। रघुवीर सहाय चाहते है कि सब लोगों में समानता, स्वतंत्रता रहे।

2

9. लुट्टन के सिर पर कसरत की धुन

जब लुट्टन के माता - पिता की मृत्यु हो गई थी तब वह अपनी विधवा सास के पास रहा करता है विधवा सास ने उसका पालन - पोषण किया। वह गाय - भैंस का दूध पीता तथा कसरत करता रहता था। विधवा सास का अपमान करने वाले लोगों से बदला लेने के लिए वह कुश्ती सीखता था। उसे कुश्ती सीखाने वाला कोई गुरु नही था वही ढोल था जिससे उसने दाँव - पेंच मारना सीखा था।

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - ब

10. बाजार में अनेक आकर्षक व चमकदार वस्तुएं होती हैं जिनको देखकर ग्राहक उन्हें लेने की चाहत में रखा जाता है। अगर मन खाली हो तो बाजार का जादू खूब चलता है और अगर मन बंद हो तो बाजार के जादू का असर कुछ नहीं होता है। बाजार में आने पर ग्राहक अनावश्यक वस्तुएं खरीद लेता है। बाजार का जादू उसी पर चलता है जिसकी जेब भरी हो और मन खाली हो तथा मन बंद होने पर बाजार का जादू काम नहीं करता है। ग्राहक इस जादू में फँसकर दुरुपयोगी वस्तुएँ खरीदता जाता है। जब बाजार का जादू उतरता है तब उसे पता चलता है कि उसके द्वारा बहुतायत में खरीदी गई वस्तुओं से आराम के बजाय असुविधा ही हो रही है।

3

11. 'कविता के बहाने' कविता 'कुँवर नारायण' से ली गई है। व इस पंक्ति में चीड़िया की उड़ान एक सीमित क्षेत्र तक ही होती है जबकि कविता अनन्तकाल तक लोगों को प्रभावित

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

करती है उसी प्रकार फूल भी कुछ दिनों तक अपनी सुगंध बिखेरता है उसके बाद मुरझा जाता है लेकिन कविता अनेक देशकाल तक लोगों को आनंदित करती है। कविता की उड़ान बच्चे के समान है। बच्चे भी खेलते समय सब घर एक कर देते है वे किसी विशेष घर तक सीमित नही रहते बल्कि सभी घरों को अपने खेल का स्थल बना लेते है। वे खेल में जाति, रंग, भेद नही देखते है।
चीडिया की उड़ान एक सीमित क्षेत्र तक ही होती है क्योंकि चिडिया एक से दूसरे घर तक ही उड़ सकती है। अत: चीडिया चिडिया की तुलना कविता से नही की जाती बच्चे से कविता की तुलना करना सत्य है।

3

12. किशनदा के दिल्ली चले जाने के बाद यशोधर बाबू ने किशनदा की हर परंपराओं को जीवित रखने की कोशिश की है।
यशोधर बाबू को किशनदा का मान

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

पुत्र कहा जाता है। किशनदा के दिल्ली जाने के बाद यशोधर बाबू ने 'होली पुजवाना' जन्यो - पुन्यो के दिन कुमाऊँमानियों की पूजा कर रामलीला की पुजा के लिए घर पर एक कमरा दे देना, ऐसे अनेक कार्य किशनदा के बताये हुए करते थे। किशनदा का मानना था कि घर नहीं बनाना चाहिए यशोधर बाबू किशनदा के आदर्शों पर चलते थे, किशनदा की तरह 'बिडला मंदिर' जाकर वहाँ पुजा पाठ करते थे, तथा संध्या समय भी पूजा पाठ किया करते थे। यशोधर बाबू सैर करने जाते थे, वे सुबह ऊनी गाउन पहनकर दूध लेने जाया करते थे, वे हाथ में घडी रखा करते थे, यशोधर बाबू के बेटे - बेटी व पत्नी ~~भी~~ उनसे अलग थे, पत्नी भी उनका साथ न देकर बच्चों का साथ दिया करती थी जिससे यशोधर बाबू अनेक कार्य किशनदा के वहां किया करते थे।

3

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	13.	हरिवंश राय बच्चन

जन्म :- सन 1907 इलाहाबाद (उ.प्र.)

प्रमुख रचनाएँ :- मधुशाला, मधुबाला, मधुकलश, निशा - निमंत्रण, मिलनयामिनी, सतरंगिनी, आरती - अंगारे, नये - पुराने झरोखे, आकुल और अंतर, नीड़ का निर्माण फिर, श्रृंखला की टूटी - कुटी कड़ियाँ, क्या भूलूं क्या याद करूँ, मैकबेथ, अनुनाद, प्रवासी की डायरी, सोपान पथ द्वार तक, हैमलेट आदि प्रमुख कृतियाँ है।

उनका वाङ्‌मय 'बच्चन ग्रंथावली' दश खंडो में प्रकाशित है।

मृत्यु :- सन 2003 मुंबई में।

(3)

विशेष तथ्य :- (i) हरिवंश राय बच्चन, हालावादी युग के कवि

(ii) हरिवंश राय बच्चन द्वारा रचित निशा - निमंत्रण से दिन जल्दी - जल्दी ढलता है कविता ली गई है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

14. ~~(iii)~~ सूचनाओं के प्रमुख चार माध्यम होते है -

1. मुद्रित या प्रिंट मीडिया
2. रेडियो
3. टेलीविजन
4. इंटरनेट

1. मुद्रित माध्यम - इसमें पत्रकार को लिखते समय ध्यान रखना हो इसमें कोई अशुद्धि न हो और भाषा सरल होनी चाहिए। यह आधुनिक मीडिया का सबसे पुराना माध्यम है इसका आविष्कार गुटेनबर्ग ने किया था। भारत का पहला छापाखाना 1556 में गोवा में खोला गया।

2. रेडियो - ~~इ~~ यह एक श्रव्य माध्यम है इसमें व्यक्तियों को निश्चित समय पर रेडियो को सुनना पड़ता है और सुनने के बाद समझना नही पड़ता है। इसमें व्यक्ति को समाचार सुनने के पश्चात समझने का समय नही मिलता है। और बीच में वार्तालाप नही होती है।

3. टेलीविजन - यह एक दृश्य व श्रव्य माध्यम है। इसमें लोग देख व

BSER-150/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

सुन सकते है। यह अनपढ़ व्यक्ति के लिए उपयोगी माध्यम है, यह बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास में वृद्धि करता है।

५. इंटरनेट - यह आधुनिक युग तीव्र और लोकप्रिय है। इसे लोग किसी भी समय पर पढ़ व सुन सकते है, इसे व्यक्ति कभी भी किसी समय भी पढ़ सकता है। व समझ सकता है। इसमें प्रिंट मीडिया, टी. वी. रेडियो आदि माध्यम उपस्थित होते है, इसमें दूर बैठे लोगों से बातचीत कर सकते है।

(3)

खण्ड - द

15. प्रसंग :- यह 'पद्यांश' हमारी पाठ्यपुस्तक 'आरोह' के 'पतंग' से लिया गया है जिसके कवि आलोक धन्वा है। इसमें कवि बच्चों को कपास के समान कोमल बताता है।

व्याख्या - बच्चे जन्म से ही कपास के समान कोमल होते है ऐसा लगता है कि वे पृथ्वी पर नहीं

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

घूम रहे बल्कि पृथ्वी ही घूमती हुई उनके बैचेन पैरो के पास आती है जब वे छतों पर दौड़ते है तो उन्हें छत की कठोरता का पता नही चलता। तथा सभी दिशाओं को मृंदग की तरह बजाते है, जब वे कठोर छतो पर चलते है तो उन्हें छतों के खतरनाक किनारों से डर नही लगता और पंतग की डोर के सहारे इधर - उधर भागते है। उस समय छत के किनारों से उनका रोमांचित शरीर ही उन्हें बचाता है और वे छतों का पार करते है। जिससे उनका रोमांचित शरीर का संगीत ही उनका साथ देता है।

विशेष तथ्य :-

6

(i) भाषा सरल व प्रवाहपूर्ण है।
(ii) भाषा में तत्सम शब्दों का प्रयोग हुआ है।
(iii) इसमें अनुप्रास अंलकार का प्रयोग है।
(iv) इसमें बच्चे के उत्साह के बारें में बताया है।
(v) यह भाषा छंदमुक्त है।
(vi) इसमें बच्चों के रोमांचित शरीर का वर्णन है।
(vii) बच्चों के निडर रहने के बारे में बताया है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

16. प्रसंग - यह गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक आरोह के ~~भी~~ 'शिरीष के फूल' पाठ से की गई है, इसके लेखक ~~'बाबा भीमराव आंबेडकर' है।~~ 'हजारी प्रसाद द्विवेदी' है। प्रस्तुत गद्यांश में शिरीष के फूल भीषण गर्मी में भी मदमस्त रहता है इसके बारे में बताया गया है।

व्याख्या - ~~कवि~~ लेखक कहता है शिरीष का फूल वसंत के आगमन पर लहक उठता है अर्थात मदमस्त रहता है। आषाढ का महीना आने पर भी शिरीष के फूल पर कोई प्रभा नही पड़ता। यह मदमस्त टहलता है। आषाढ़ के दिनों में भी यह फलता - फूलता रहता है तथा यह अत्यंत कोमल होता है। जब गर्मी में ~~पल~~ प्यास लगती है और हृदय सुखता रहता है तब भी शिरीष का फूल फलों से लदा रहता एकमात्र शिरीष कालजयी संन्यासी की भांति जीवन के हर - सुख - दुख में टहलता रहता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		विशेष तथ्य
	(i)	भाषा शैली सरल व सुबोध है।
	(ii)	भाषा शैली वर्णात्मक व विवरणात्मक है।
	(iii)	इसमें लक्षणा शब्द शक्ति का प्रयोग हुआ है।
	(iv)	यह मुहावरेदार भाषा शैली है।
	(v)	इसमें तद्भव शब्दों का प्रयोग हुआ है।
6	(vi)	शिरीष का फूल भी कालजयी अवधूत की भाँति बताया गया है।
	(v)	शिरीष का फूल भीषण गर्मी में भी मदमस्त रहता है।

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

17.

राजस्थान सरकार
मा. शि. बोर्ड उत्तरप्रदेश

क्रमांक - विज्ञप्ति/क/2017 दिनांक - 25/5/2025

विज्ञप्ति

समस्त पुस्तक विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान उत्तरप्रदेश द्वारा पाठ्य पुस्तक जो विक्रेता पुस्तक है वह अपनी विक्रेता पुस्तक बोर्ड कार्यालय इलाहाबाद में पंजीकृत नही करवाई तो पुस्तक नही भेजी जायेगी। जिन्होने पाठ्य पुस्तक विक्रेताओ ने पंजीकृत नही करवाया व दिनांक 24/5/2023 को पंजीकृत करवा सकते है।

भवदीय
हस्ताक्षर
क. ख. ग.
सचिव
मा. शिक्षा बोर्ड उत्तरप्रदेश

5

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

18.

हमारे बुजुर्ग - हमारी धरोहर

1. प्रस्तावना

2. बुजुर्गों का महत्व

3. बुजुर्ग हमारी धरोहर

4. बुजुर्ग का आदर सत्कार

5. उपसंहार

BSER-180/2025

1. प्रस्तावना - हमारे बुजुर्ग का हमारे जीवन में अति महत्वपूर्ण स्थान है। बुजुर्गों से हमें अनेक संस्कार मिलते हैं। बुजुर्ग का हमारे जीवन में ~~अनेक~~ में अस्तित्व है। उनके बिना हमारा यहाँ कुछ भी नही है हर जगह हमारे साथ रहते है और कठिन परिस्थितियां में हमारे साथ खडे रहते है। हमें हमारे हित के बारे में और आगे बढ़ने की सलाह देते है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

2. बुजुर्गों का महत्व - हमारे दादा - दादी, नाना - नानी, आदि हमें अनेक संस्कारों से जोड़े रखते है। हमें हमारे संस्कार के बारे में जानकारी देते है। और हमारे यह तीज - त्यौहार कैसे बनाते और उनका हमारे जीवन में क्या महत्व है। और ये सब हमें बताते है। यह सब हमें बुजुर्गों द्वारा अन्य ज्ञान प्राप्त होते है। बुजुर्ग हमें प्राचीन सभ्यता का व इससे जुड़ी हर बात का ज्ञान देते है। जिससे हमारा उनके प्रति और लगाव बढ़ जाता है। अधिकांश संयुक्त परिवार में यह सब संभव है क्योंकि एकल परिवार में अधिक संख्या में जिसमें दादा नही रहते है। इसलिए ऐसा कहा गया है हमारे बुजुर्ग - हमारी धरोहर है।

3. बुजुर्ग हमारी धरोहर - बुजुर्ग लोग उन्ही घरों में रहते है जिनमें अभी भी संयुक्त परिवार है। बुजुर्ग लोगों से हमें ज्ञान प्राप्त होता है। वे अनपढ़ होते हुए भी हमें हर चीज का ज्ञान करते है। एकल परिवार में नई पीढ़ी

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

बुजुर्गों को अपने पास न रखकर ~~अनाथ आश्र~~ वृद्धाश्रम भेज देती है ताकि उनको सेवा न करनी पड़े, बुजुर्ग लोग हमें हमारी संस्कृति से जुड़ी हर बात बताते है जिससे हम काबिल बन सके तथा अन्य लोगों का जो हमसे बड़े उनका आदर सम्मान करना चाहिए। उनके बिना हमारा उस दुनिया में कुछ भी नही है।

4. बुजुर्ग का आदर सत्कार -

हमें सब लोगों के साथ आदर सम्मान करना चाहिए तथा बुजुर्गों का आदर करना चाहिए व कभी भी उनके साथ दुर्व्यवहार नही करना चाहिए जिससे उनको ठेस पहुँचे। बुजुर्ग का अपने जीवन में महत्व है तथा बुजुर्गों के बिना बिना हमारा दैनिक जीवन में कोई महत्व नही है। बुजुर्ग का हमें कभी अपमान नही करना चाहिए। जिससे उनको पीड़ा हो। व उनके आत्म - सम्मान पर ठेस पहुंचे। बुजुर्गों का हमारे जीवन में अत्यंत महत्व है।

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उपसंहार - हमें हमारे जीवन में बुजुर्गों को समझना चाहिए, और उनकी बातों को जीवन में उतारना चाहिए जो हमें सीखाते है उनकी सच्चाई का मार्ग अपनाना चाहिए। अन्याय व किसी के साथ बुराई नही करनी चाहिए।

"बुजुर्ग है तो हमारे
संस्कार है।
बुजुर्ग है तो हमारी
प्राचीन संस्कृति है।"

5

समाप्त

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-18/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-18/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 130/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSHR-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		चरित्र बल, चरित्र का महत्व